WHAT IS INCLUSION?
समावेशन क्या है?

सामाजिक पहचान के बावजूद, उनकी भिन्नताओं और अक्षमताओं की परवाह किए बिना, शैक्षिक प्रणाली में प्रत्येक श्रेणी के बच्चों को शामिल करने के लिए संदर्भित करता है। यह विविधता को महत्व देता है, प्रत्येक बच्चा कक्षा में लाता है और सभी को सीखने और बढ़ने के समान अवसर प्रदान करता है।न के बावजूद, उनकी भिन्नताओं और अक्षमताओं की परवाह किए बिना, शैक्षिक प्रणाली में प्रत्येक श्रेणी के बच्चों को शामिल करने के लिए संदर्भित करता है। यह विविधता को महत्व देता है, प्रत्येक बच्चा कक्षा में लाता है और सभी को सीखने और बढ़ने के समान अवसर प्रदान करता है।

https://youtu.be/kEyjlqixq9c?feature=share

समावेशी शिक्षा (Inclusive education)

समावेशी शिक्षा एक ऐसी शिक्षा है जिसमें सामान्य बालक-बालिकाएं और मानसिक तथा शारीरिक रूप से बाधित बालक एवं बालिकाएं सभी एक साथ बैठकर एक ही विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करते हैं। समावेशी शिक्षा सभी नागरिकों की समानता के अधिकार की बात करता है और इसलिए इसके सभी शैक्षिक कार्यक्रम इसी प्रकार के तय किए जाते हैं ऐसे संस्थानों में विशिष्ट बालकों के अनुरूप प्रभावशाली वातावरण तैयार किया जाता है और नियमों में कुछ छूट भी दी जाती है जिससे कि विशिष्ट बालकों को समावेशी शिक्षा के द्वारा सामान्य विद्यालयों में सामान्य बालकों के साथ कुछ अधिक सहायता प्रदान करने की कोशिश की जाती है

https://youtu.be/WsV2TR0JZC8?feature=shared

समावेशी शिक्षा का महत्व

1.शारीरिक दोषमुक्त विभिन्न बालकों की विशेष आवश्यकताओं की सर्वप्रथम पहचान करना तथा निर्धारण करना।

2. शारीरिक दोष की दशा को बढ़ाने से पहले कि वे गम्भीर स्थिति को प्राप्त हो, उनके रोकथाम के लिए सर्वप्रथम उपाय किया जाना। बालकों के सीखने की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कार्य करने की विभिन्न नवीन विधियों द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करना।

3. शारीरिक रूप से विकृतियुक्त बालकों का पुनर्वास कराया जाना।

4. शारीरिक रूप से विकृतियुक्त बालकों की शिक्षण समस्याओं की जानकारी प्रदान करना।

5. शारीरिक रूप से विकृतियुक्त बालकों की शिक्षण समस्याओं की जानकारी प्रदान करना तथा सुधार हेतु सामूहिक संगठन की तैयारी किया जाना।

6. बालकों की असमर्थताओं का पता लगाकर उनके निवारण का प्रयास करना।

समावेशी शिक्षा की विशेषताएं

१. समावेशी शिक्षा व्यवस्था में शारीरिक रूप से बाधित बालक विशिष्ट बालक तथा सामान्य बालक साथ साथ सामान्य कक्षा में शिक्षा ग्रहण करते हैं इसमें बाधित बालकों को कुछ अधिक सहायता प्रदान करने की कोशिश की जाती है।

२. समावेशी शिक्षा विशेष शिक्षा का विकास नहीं बल्कि पूरक है। बहुत कम बाधित बच्चों को समावेशी शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश कराया जा सकता है किंतु गंभीर रूप से बाधित बालकों को विशेष शिक्षण संस्थानों में संप्रेषण गुण एवं अन्य आवश्यक प्रतिभा ग्रहण करने के पश्चात ही समावेशी विद्यालयों में इनका प्रवेश कराया जाता है।

३. समावेशी शिक्षण व्यवस्था में शिक्षा का ऐसा प्रारूप तैयार किया गया है जिसमें बालकों को समान शिक्षा का अवसर प्राप्त हो और वह समाज में सामान्य लोगों के तरह ही अपना जीवनयापन कर सके। इसीलिए ऐसे शिक्षण संस्थानों में नियमों में छूट दी जाती हैं और प्रभावशाली वातावरण भी उपलब्ध कराया जाता है जिससे कि विशेषता लिए हुए बालक बहुत कम समय में ही अपने आपको सामान्य बालकों के साथ समायोजित कर लेते हैं।

४. समावेशी शिक्षा समाज में विशिष्ट तथा सामान्य बालकों के मध्य स्वास्थ्य सामाजिक वातावरण तथा संबंध बनाने में जीवन के प्रत्येक स्तर पर सहायक सिद्ध होती हैं। इससे समाज के लोगों में सद्भावना तथा आपसी सहयोग की भावना बढ़ती है।

५. या एक ऐसी व्यवस्था है जिसके अंतर्गत विशिष्ट बालक भी सामान्य बालकों की तरह ही महत्वपूर्ण समझे जाते हैं।

६. समावेशी शिक्षा विशिष्ट बालकों को भी उनके व्यक्तिगत अधिकारों के साथ उसी रूप में स्वीकार करती हैं।

७. समावेशी शिक्षा विशिष्ट बालकों की जीवन स्तर को ऊंचा उठाने एवं उनके नागरिक अधिकारों को सुरक्षित रखने का काम करती है।

८. समावेशी शिक्षा विभिन्न शिक्षाविदों, अध्यापकों, शिक्षण संस्थानों तथा माता-पिताओं के सामूहिक अभ्यास पर आधारित है।

९. समावेशी शिक्षा शिक्षण की समानता तथा अवसर जो विशिष्ट बालकों को अब तक नहीं दिए गए उनके मूल स्वरूप से शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक व्यवस्था है।

समावेशी शिक्षा का क्षेत्र (scope of inclusive education)

समावेशी शिक्षा शारीरिक एवं मानसिक रूप से बाधित सभी बच्चों के लिए है। यह ऐसे प्रत्येक बालक के लिए शिक्षा एवं सामान्य शिक्षक की बात करता है। जो इससे लाभ प्राप्त करने के योग्य है अतः समावेशी शिक्षा का कार्य क्षेत्र ऐसे सभी बालकों के बीच अपनी पहुंच बनाना है एवं उन्हें अधिगम प्रदान कर सामान्य जीवन यापन हेतु अग्रसर करना है।

१. शारीरिक रूप से बाधित बालक

२. मानसिक रूप से बाद बालक

३. सामाजिक रुप से बाधित/विचलित बालक

४. शैक्षिक रूप से बाधित बालक

समावेशी शिक्षा के लाभ (inclusive education benefits)

1.समावेशी शिक्षा के कारण अक्षम बालक सामान्य बालक के साथ एक ही कक्षा में बैठकर शिक्षा ग्रहण करता है।

2.समावेशी शिक्षा के कारण वैयक्तिक विभिन्नताओं को दूर करने में मदद मिलती है साथ ही बच्चों के बीच एक लघु समाज का निर्माण किया जाता है ।

3.समावेशी शिक्षा की मदद से भेदभाव,छुआछूत जैसे भाव को दूर किया जा सकता है, क्योंकि कि इसमें सामान्य बालक, अक्षम बालक तथा विशिष्ट बालक सभी को एक समान लाभ मिलता है।

4.समावेशी शिक्षा समायोजन का एक विशिष्ट उदाहरण है।

5. विशिष्ट बालक, अपंग बालक, या अक्षम बालक की विभिन्न समस्या को जानकर उनके उन समस्याओं की समाधान में समावेशी शिक्षा सहायक होती है।

6. समावेशी शिक्षा उन बालकों के लिए भी लाभप्रद है जो समस्यात्मक बालक होते हैं समावेशी शिक्षा उनके उन कमजोरी को जानकर उनके समस्या को दूर करने का प्रयास करता है तथा उन्हें समस्यात्मक बालक बनने से रोकता है।

ICEBREAKER

1. Tactile games - Touch objects and tell their names.
2. Blindfold game

क्षति,अक्षमता और दिव्यांगता क्या है?

What is Impairment, Disability Handicap and causes?

क्षति (IMPAIRMENT)

किसी बीमारी या दुर्घटना के कारण होने वाली मा नसिक एवं शारीरिक नुकसान को क्षति कहते हैं| जैसे:- आँख, कान, दिमाग एवं

अंगो की क्षति |

अक्षमता (HANDICAP)

अक्षमता क्षति के परिणाम स्वरूप आती है जो व्यक्ति को उन सुविधाओ तक पहुँचने से वंचित करता है जो सामान्य व्यक्ति के लिए उपलब्ध है जिससे उनकी कार्य प्रणाली सिमित हो जाती है| जैसे :- सीढियाँ चढ़ने में अक्षम |

दिव्यांगता (DISABILITY)

दिव्यांगता वह हानि है, जो किसी क्षति के उपरांत व्यक्ति की आयु, लिंग एवं सामाजिक स्तर के अनुरूप कार्य को करने में बाधा पहुँचती है|

जैसे :- चलने में अक्षम |

दिव्यंगता के प्रकार (TYPES OF DISABILITY)

आर.पी. डब्लू. डी. एक्ट २०१६ के अनुसार २१ प्रकार की दिव्यंगतायें हैं।

दिव्यांगता के प्रकार

चलन दिव्यांगता (Locomotor Disability)

- हाथ या पैर अथवा दोनों की दिव्यांगता
- लकवा
- हाथ या पैर कट जाना

शारिरिक दिव्यांगता (Physical Disability)

बौनापन (Dwarifism)

- व्यक्ति का कद व्यस्क होने पर भी 4 फुट 10 इंच या 147 सेमी या इससे कम होना

शारिरिक दिव्यांगता (Physical Disability)

मांसपेशी दुर्विकास (Muscular Dystrophy)

- मांसपेशीयों में कमजोरी एवं विकृति

शारिरिक दिव्यांगता (Physical Disability)

तेजाब हमला पीड़ित (Acid Attack Victim)

- शरीर के अंग हाथ/पैर/आंख आदि तेजाब हमले की वजह से असामान्य/प्रभावित होना

शारिरिक दिव्यांगता (Physical Disability)

दृष्टि बाधित (Blindness)

- देखने में कठिनाई
- पूर्ण दृष्टिहीन

शारिरिक दिव्यांगता (Physical Disability)

अल्पदृष्टि (Low Vision)

- कम दिखना (60 वर्ष से कम आयु) की स्थिति में रंगों की पहचान नहीं कर पाना)

शारिरिक दिव्यांगता (Physical Disability)

श्रवण बाधित (Deaf)

- दोनों कानों में 70 डेसीबल श्रवण क्षति

शारिरिक दिव्यांगता (Physical Disability)

कम/ऊँचा सुनना (Hard of Hearing)

- दोनों कानों में 60 से 70 डेसीबल श्रवण क्षति

शारिरिक दिव्यांगता (Physical Disability)

बोलने एवं भाषा की दिव्यांगता (Speech & Language Disability)

- बोलने में कठिनाई
- सामान्य बोली से अलग बोलना
- जिसे अन्य लोग समझ नहीं पाते

शारिरिक दिव्यांगता (Physical Disability)

कुष्ठ रोग से मुक्त (Leprosy-Cured)

- हाथ या पैर या अंगुलिया में विकृति / टेढ़ापन
- शरीर की त्वचा पर रंगहीन धब्बे
- हाथ या पैर या अंगुलियां सुन्न हो जाना

शारिरिक दिव्यांगता (Physical Disability)

प्रमस्तिष्क घात (Cerebral Palsy)

- पैरो में जकड़न
- चलने में कठिनाई
- हाथ से काम करने में कठिनाई

शारिरिक दिव्यांगता (Physical Disability)

बहु दिव्यांगता (Multiple Disabilities)

- दो या दो से अधिक दिव्यांगता
- श्रवण एवं दृष्टि बाधिता

बहु दिव्यांगता (Multiple Disabilities)

बौद्धिक दिव्यांगता (Intellectual Disability)

- बौद्धिक कार्य एवं अनुकूल व्यवहार में कमी

बौद्धिक दिव्यांगता (Intellectual Disability)

सीखने की दिव्यांगता (Specific Learning Disability)

- भाषा बोलने या लिखने की कमी
- डिसलेक्सिया, डिसग्राफिया, डिसकेल्क्युलिया एवं विकासात्मक अफेसिया

बौद्धिक दिव्यांगता (Intellectual Disability)

स्वलीनता (Autism)

- किसी कार्य पर ध्यान केन्द्रित करने में कठिनाई
- आंखे मिलाकर बात न कर पाना
- गुमसुम रहना

बौद्धिक दिव्यांगता (Intellectual Disability)

मानसिक रुग्णता (Mental Illness)

- अस्वाभाविक व्यवहार
- खुद से बातें करना
- मति भ्रम/भय
- व्यसन
- गुमसुम रहना

मानसिक व्यवहार (Mental Behaviour)

बहु–एकेलेरोसिस (Multiple Sclerosis)

- दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समन्वय में परेशानी

चिरकालिक तंत्रिका दशाऐं (Chronic Neurological Condition)

पार्किंसंस (Parkinson Disease)

- हाथ/पांव की मांसपेसियों में जकड़न
- तंत्रिका तंत्र प्रणाली संबंधि कठिनाई

चिरकालिक तंत्रिका दशाऐं (Chronic Neurological Condition)

हेमोफीलिया (Hemophilia)

- चोट लगने पर अत्यधिक रक्त स्त्राव
- रक्त बहना बंद नहीं होना

रक्त विकृति (Blood Disorder)

थेलेसीमिया (Thalassemia)

- खून में हिमोग्लोबिन की विकृति
- खून की मात्रा कम होना

रक्त विकृति (Blood Disorder)

सिक्कल कोशिका रोग (Sickle Cell Disease)

- खून की अत्यधिक कमी
- खून की कमी से शरीर के अंग/ अवयव खराब होना

रक्त विकृति (Blood Disorder)

दिव्यांगता के लक्षण

1. मस्तिष्क पक्षाघात (Cerebral Palsy)

- कठोर मांसपेशियां और अतिरंजित सजगता (स्पास्टिसिटी) जो कि सबसे सबसे आम गतिविधि विकार है
  1. मांसपेशियों की टोन में बदलाव, जैसे या तो बहुत सख्त या बहुत अधिक लचीली होना
  2. सामान्य सजगता के साथ कठोर मांसपेशियां (कठोरता)
  3. संतुलन और मांसपेशियों के समन्वय की कमी (गतिभंग)
  4. झटके या झटकेदार अनैच्छिक गतिविधियां
  5. धीमी गति से चलने वाली हरकतें
  6. शरीर के एक तरफ का पक्ष लेना, जैसे केवल एक हाथ से पहुंचना या रेंगते समय पैर खींचना
  7. चलने में कठिनाई, जैसे पैर की उंगलियों पर चलना, झुकी हुई चाल, घुटनों को पार करने वाली कैंची जैसी चाल, चौड़ी चाल या विषम चाल
  8. सामान्य जारी करने में कठिनाई, जैसे कपड़े बटन करन

- **भाषण और खाना (Speech and eating)**
  1. बोलने के विकास में देरी
  2. बोलने में कठिनाई
  3. चूसने, चबाने या खाने में कठिनाई
  4. अत्यधिक लार आना या निगलने में समस्या

2. अधिगम अक्षमता (Learning disability)

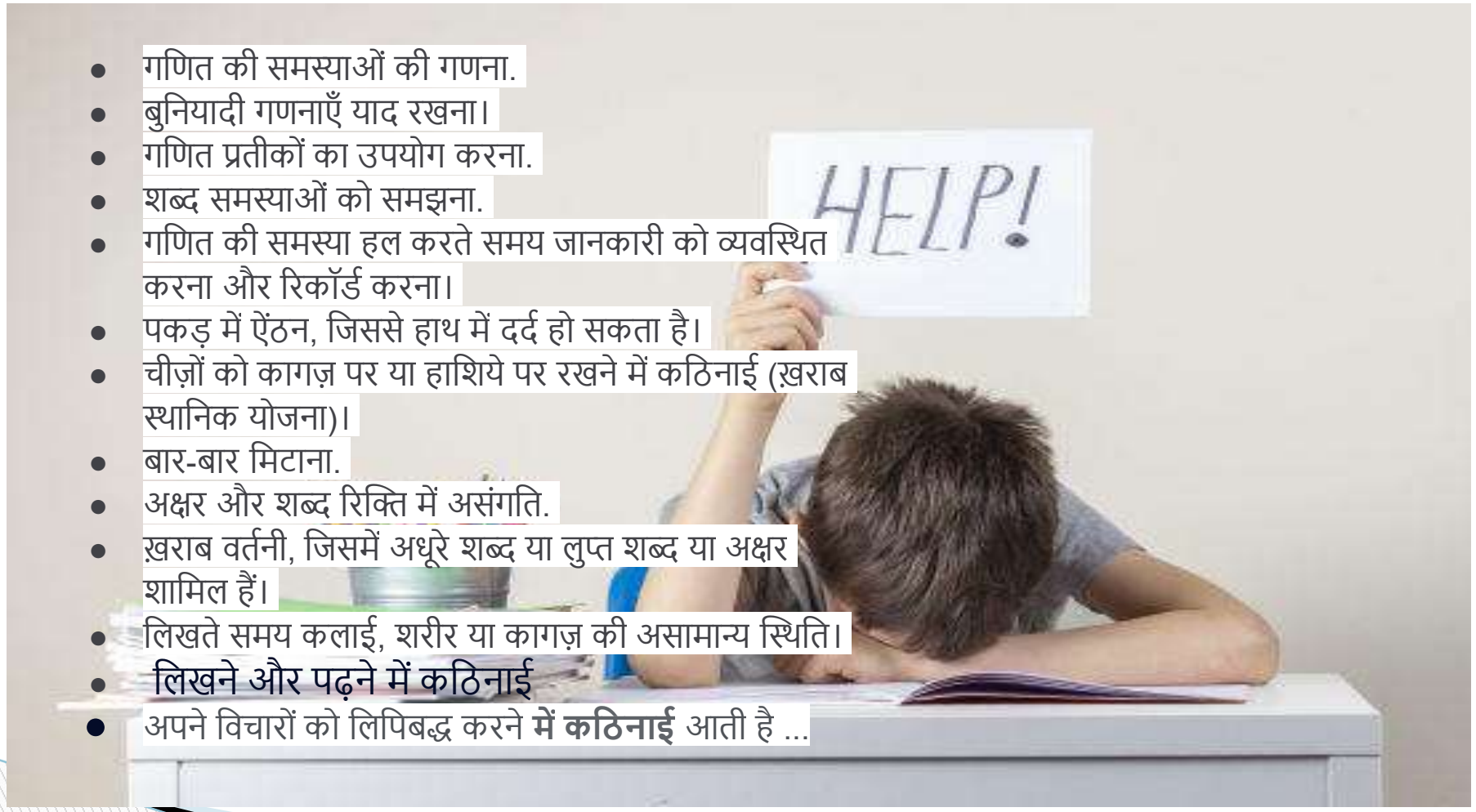

- गणित की समस्याओं की गणना.
- बुनियादी गणनाएँ याद रखना।
- गणित प्रतीकों का उपयोग करना.
- शब्द समस्याओं को समझना.
- गणित की समस्या हल करते समय जानकारी को व्यवस्थित करना और रिकॉर्ड करना।
- पकड़ में ऐंठन, जिससे हाथ में दर्द हो सकता है।
- चीज़ों को कागज़ पर या हाशिये पर रखने में कठिनाई (ख़राब स्थानिक योजना)।
- बार-बार मिटाना.
- अक्षर और शब्द रिक्ति में असंगति.
- ख़राब वर्तनी, जिसमें अधूरे शब्द या लुप्त शब्द या अक्षर शामिल हैं।
- लिखते समय कलाई, शरीर या कागज़ की असामान्य स्थिति।
- लिखने और पढ़ने में कठिनाई
- अपने विचारों को लिपिबद्ध करने **में कठिनाई** आती है ...

ADHD

- ध्यान लगाने में दिक्कत
- कार्यों को पूरा करने में कठिनाई (खराब कार्यकारी कौशल)
- बेचैनी
- मन बदलना
- उतावलापन
- संबंधों को बनाए रखने में कठिनाई

ऑटिज्म (Autism)

ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में दिखते हैं ये लक्षण
खतरों को लगातार नजरअंदाज करना
खिलौनों को एक लाइन में सजाना
बच्चों की लोगों में रुचि न होना
नींद आने में परेशानी
पंजों के बल चलना
ज्यादातर अकेले खेलना
हद से ज्यादा जिद्दी
चीजों को बार-बार घुमाना
हाइपर एक्टिव होना
आवाज से परेशान होना
गुमसुम और चुप रहना

संवेदी प्रसंस्करण विकार
(Sensory impairment)

- असंगठित रहो
- चीज़ों से टकराना
- यह बताने में असमर्थ रहें कि उनके अंग अंतरिक्ष में कहाँ हैं
- बातचीत या खेल में शामिल होना कठिन हो

Activity

Activity 1.See picture and identify disabilities

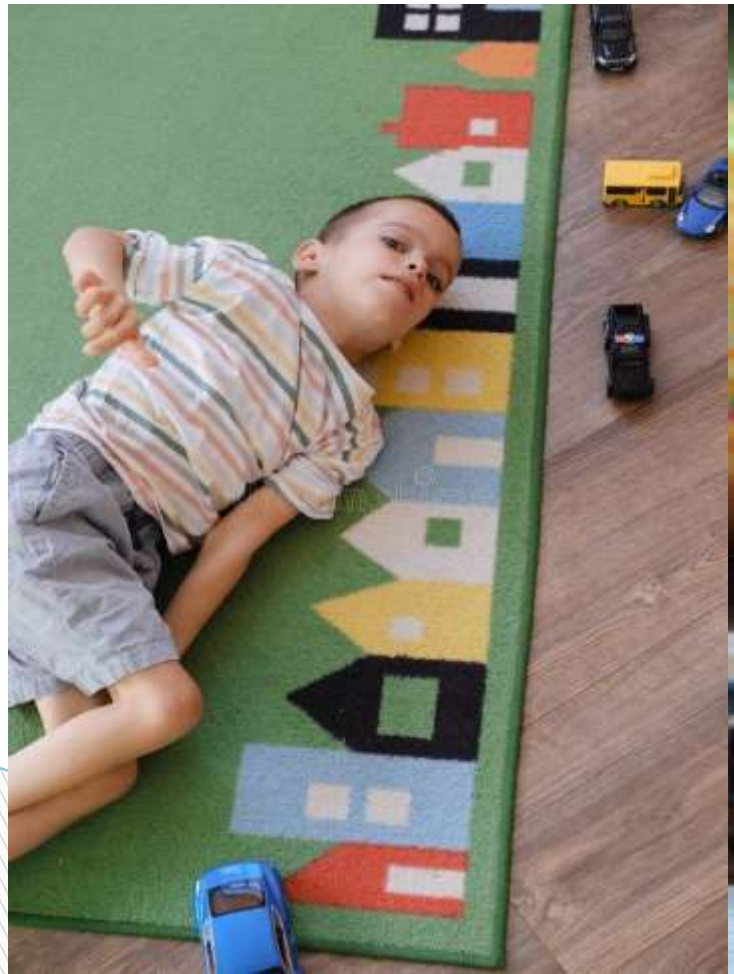

Activity 2. Read symptoms and tell Disability Name

1.walking on tiptoes

a) Cerebral palsy b) Autism

c) Intellectual Disability d) ADHD

2.Seeming too stiff or too floppy

a) ADHD b) Cerebral Palsy

c) Mental illness c) Autism

3.Having a short attention span and being easily distracted.

a) Blindness b) low vision

c) ADHD c) cerebral palsy

4.Think soft touches feel too hard.

a) Sensory Disorders b) leprosy curd persons

c) Specific learning disorder d) Autism

5.Rocking the body back and forth while sitting or standing

Answers

1&2 - Cerebral palsy

3- ADHD

4 -Sensory disorder

5- Autism

प्रारंभिक हस्तक्षेप (Early intervention)

प्रारंभिक हस्तक्षेप क्या है?

- प्रारंभिक हस्तक्षेप समन्वित सेवाओ की एक प्रणाली जिसमे जन्म से छह वर्ष की आयु के बच्चों के वृद्धि और विकास को बढ़ावा देता है और महत्वपूर्ण वर्षों के दौरान परिवारों का समर्थन करता है।
- बच्चे के विकासात्मक, सामाजिक और शैक्षिक लाभ में सुधर ,दिव्यांग बच्चों को सफल, स्वतंत्र व्यक्ति बनने में मदद करता है, विशेष शिक्षा, पुनर्वास और स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों की भविष्य की लागत को कम करता है।

बच्चों की आवश्यकताएं

चिकित्सा
(Therapy)

अनुकूल उपकरण
(Adaptive devices)

UDID/Pension

पोषण
(Nutrition)

विध्यालय
(School)

प्रारंभिक हस्तक्षेप के सिद्धांत

बच्चे घर / विद्यालय में और देखभाल करने वालों के साथ सबसे अच्छी तरह से सीखते हैं|

आवश्यक सहयोग के साथ परिवार बच्चों को सिखने में मदद कर सकते हैं|

चिकित्सक की भूमिका देख भाल करने वालों के साथ कम करना है|

चिकित्सा व्यक्तिगत / पारिवारिक जरूरतों / सांस्कृतिक पर निर्भर करती है|

शोधकार्य

ग्राम पंचायतों की भूमिका

- दिव्यांगता और दुर्घटना की रोकथाम
- दिव्यांगता की पहचान
- दिव्यांगता का आकलन करना
- शिक्षा कार्यक्रम
- दिव्यांगता प्रमाण पत्र
- सुविधाएँ और रियायत
- योजनाओं
- संरक्षण
- 5 % फंड
- एन जी ओ के साथ कम करें

Lesson Plan

Day & Date: _____ Topic: _____

Objective:_____

_____

Reference:_____

Materials required:_____

Pre assessment:_____

Instructional Method/ strategy :_____

Introduction:_____

_____

_____

_____

_____

Factual knowledge (students will know): _____

_____

_____

_____

Procedural Knowledge (students will be able to): _____

_____

_____

_____

_____

_____

Conceptual knowledge (students will understand):_____

_____

_____

_____

Experiences & activities:_____

Conclusion/ closure:_____

Assessment :_____HW:_____

धन्यवाद